

A number of measures are being taken to improve the capacity utilisation of thermal power plants. These measures include :

- (i) assistance to state Electricity Boards/power stations to prepare and undertake plant betterment programmes ;
- (ii) adoption of preventive maintenance techniques for reducing the outage periods ;
- (iii) arranging spare parts from indigenous and foreign sources ;
- (iv) arranging requisite quality and quantity coal ;
- (v) setting up of task force for achieving early stabilisation of thermal units ;
- (vi) arranging visits of roving teams of operation specialists from CEA to monitor operation practices and render advice; and
- (vii) training of operational and maintenance staff of SEBs is also organised.

The expenditure incurred on periodical maintenance of thermal power plants is a part of the non-plan expenditure of the State Electricity Boards. The Ministry of Energy have proposed a Centrally Sponsored renovation and modernisation scheme for thermal stations which is expected to cost about Rs. 500 crores spread over a period of three years.

Divergence in Practice of Evaluating data by Indian Companies and International Oil Companies

271. SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) whether there is divergence in the practice of evaluating seismic data by Indian companies and International oil companies ;

(b) if so, which practice is better ; and

(c) if the practice adopted by International oil companies is better whether Government are planning to adopt their way of evaluating seismic data ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PETROLEUM IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI GARGI SHANKAR MISHRA) : (a) to (c) There is no divergence in the practice of evaluating seismic data by Indian Companies and International Oil Companies.

गोरखपुर जिले (उत्तर प्रदेश) की बासगांव तहसील में बंधुआ मजदूरों का पाया जाना

272. श्री मनोहर लाल सैनी :

प्रो० अजित कुमार मेहता :

क्या श्रम और पुनर्वासि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 जून, 1984 के "जनसत्ता" में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें यह बताया गया है कि गोरखपुर जिले की बासगांव तहसील में अभी भी बहुत बड़ी संख्या में बंधुआ मजदूर हैं ;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने इस संबंध में कोई जाँच की है ; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

अम और पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री धर्मवीर भारती) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) उत्तर प्रदेश सरकार से आवश्यक सूचना मांगी गई है और इसे प्राप्त होने पर सदन की मेज पर रख दिया जाएगा।

दिल्ली टेलीफोन एक्सचेंज में नये टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा सूची

273. श्री सज्जन कुमार : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में कई वर्षों पहले जिन लोगों ने टेलीफोन कनेक्शन के लिए आवेदन किया था वे अभी भी प्रतीक्षा सूची में हैं।

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) दिल्ली में प्रत्येक एक्सचेंज में आवेदकों की प्रतीक्षा सूची का ब्यौरा क्या है और वे प्रतीक्षा सूचियां कब तक निपटा दी जायेंगी ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० एन० गाहगिल) : (क) जी हां।

(ख) संसाधनों का अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना।

(ग) एक्सचेंजवार प्रतीक्षा-सूची का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। इसे अगले कुछ वर्षों के दौरान उत्तरोत्तर निपटा दिया जाएगा।

विवरण

क्र. सं.	टेलीफोन एक्सचेंज	एक्सचेंज कोड	एक्सचेंज प्रतीक्षा सूची			योग
			ओवर्आईटी	विशेष	सामान्य	
1	2	3	4	5	6	7

I. पूर्वी दिल्ली

1. शाहदरा-I	20	459	475	4143	5,027
2. शाहदरा	21,24	688	863	7518	9,069
3. शाहदरा-II	86	9	17	228	254
4. दिल्ली गेट	26,27	672	136	6314	7,122
5. ईदगाह	61,52,77	144	194	11069	11,407
6. गाजियाबाद-II	84	30	48	431	509
7. गाजियाबाद-I	85	16	31	1068	1,115

II. उत्तरी दिल्ली

8. तीस हजारी	22,23,25	128	49	6600	6,777
--------------	----------	-----	----	------	-------